

Padma Bhushan



SHRI N. CHANDRASEKARAN

Shri N. Chandrasekaran is the Chairman of the Board at Tata Sons Private Limited, the holding company and promoter of all Tata Group companies. The Tata Group companies, across 10 business verticals have a presence in more than 100 countries across the world. He is also the Chairman of the Board of several Tata Group companies, including Tata Steel, Tata Motors, Tata Power, Jaguar Land Rover, Tata Chemicals, Indian Hotels and Tata Consultancy Services (TCS)- of which he was Chief Executive from 2009-17.

2. Born on 2nd June, 1963, Shri Chandrasekaran completed the Masters degree in Computer Applications from the Regional Engineering College, Trichy, Tamil Nadu in 1986. He is also the author of 'Bridgital Nation', a groundbreaking book on harnessing technological disruptions to bring Indians closer to their dreams.

3. Shri Chandrasekaran's appointment as the Chairman of Tata Sons, followed a stellar 30-year business career at TCS, which he joined from university. At TCS, he rose through the ranks to become CEO and Managing Director of the leading global IT solution and consulting firm. Under his leadership, TCS pioneered the creation of its unique Global Network Delivery Model (GNDMTM) across five continents. TCS also ventured into new markets including Europe, China and Latin America along with adding new business lines like BPO, infrastructure and assurance services. During his tenure, TCS consolidated its position as the largest private sector employer in India and the country's most valuable company.

4. Shri Chandrasekaran in addition to his professional career at the Tata Group, is also a Director on the Board of India's central bank, the Reserve Bank of India, since 2016. He is on the International Advisory Council of Singapore's Economic Development Board. He is the Chairman of Indian Institute of Management, Lucknow as well as the President of the Court at Indian Institute of Science, Bengaluru. He is the member of Bocconi's International Advisory Council and the Co-Chair of the India-US CEO Forum. He is also on the Board of Governors of the New York Academy of Sciences. Recently, in recognition of his distinguished contributions to engineering, "for changing the nature and advancing the capabilities of the software industry in India," he has been formally elected as an International Member of the United States National Academy of Engineering (NAE).

5. Shri Chandrasekaran has been awarded several honorary doctorates by leading Universities in India and internationally. These include the honorary Doctor of Letters from Macquarie University, Australia, the honorary Doctor of Science from the Aligarh Muslim University, the honorary Doctorate by the Nyenrode Business University, Netherlands and the Doctor of Letters from the Regional Engineering College, Trichy.

6. Shri Chandrasekaran has received several awards and recognitions in India and across the world. He was awarded the "Global Leadership Award" by the US India Strategic Partnership Forum in 2021; the "Business Leader of the year award" at the ET Awards for Corporate Excellence 2016, and Business Today's Best CEO (IT & ITEs) in 2015. He has also received the Medal of the City of Amsterdam "Frans Banninck Coq" in recognition of his endeavor to promote trade and economic relations between Amsterdam and India.

पद्म भूषण



श्री न. चन्द्रसेकरन

श्री न. चन्द्रसेकरन सभी टाटा समूह की कंपनियों की होल्टिंग कंपनी और प्रमोटर, टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड बोर्ड के चेयरमैन हैं। दुनिया के 100 से अधिक देशों में 10 व्यावसायिक क्षेत्रों में टाटा समूह की कंपनियों की उपस्थिति है। वह टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, टाटा पावर, जगुआर लैंड रोवर, टाटा केमिकल्स, इंडियन होटल्स और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) जिसके वह 2009–17 से मुख्य कार्यकारी थे, सहित कई टाटा समूह की कंपनियों के बोर्ड के चेयरमैन भी हैं।

2. 2 जून, 1963 को जन्मे, श्री चंद्रसेकरन ने 1986 में रीजनल इंजीनियरिंग कॉलेज, त्रिची, तमिलनाडु से कंप्यूटर एप्लीकेशन में मास्टर्स डिग्री प्राप्त की। वह एक उत्कृष्ट पुस्तक 'ब्रिजिटल नेशन' के लेखक भी हैं। यह पुस्तक भारतीयों को अपने सपनों के करीब लाने वाली प्रौद्योगिक उन्नति का लाभ उठाने के बारे में है।

3. श्री चन्द्रसेकरन की टाटा संस के चेयरमैन के रूप में नियुक्ति से पहले टीसीएस में उनका 30 वर्ष का शानदार व्यावसायिक करियर रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय में अध्ययन करने के दौरान टीसीएस में नौकरी ग्रहण की थी। वह तरक्की करते हुए, अग्रणी वैश्विक आईटी समाधान और परामर्श फर्म टीसीएस में सीईओ और प्रबंध निदेशक के पद पर पहुंचे। उनकी अगुवाई में, टीसीएस ने पांच महाद्वीपों में अपने अद्वितीय ग्लोबल नेटवर्क डिलीवरी मॉडल (जीएनडीएमटीएम) के निर्माण को आगे बढ़ाया। टीसीएस ने यूरोप, चीन और लैटिन अमेरिका सहित नए बाजारों में प्रवेश किया तथा बीपीओ, बुनियादी ढांचे और एसोरेयंस सर्विस जैसे नए व्यावसायिक क्षेत्रों को शामिल किया। उनके कार्यकाल के दौरान, टीसीएस ने भारत में निजी क्षेत्र के सबसे बड़ी नियोक्ता और देश की सबसे मूल्यवान कंपनी के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की।

4. श्री चन्द्रसेकरन टाटा समूह में अपने पेशेवर करियर के अलावा, 2016 से भारत के केंद्रीय बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक के बोर्ड में निदेशक भी हैं। वह सिंगापुर के इकनोमिक डेवलपमेंट बोर्ड की इंटरनेशनल एडवाइजरी काउंसिल में हैं। वह भारतीय प्रबंधन संस्थान, लखनऊ के चेयरमैन के साथ-साथ भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु के कोर्ट प्रेजिडेंट भी हैं। वह बोकोनी की इंटरनेशनल एडवाइजरी काउंसिल के सदस्य और भारत-अमेरिका सीईओ फोरम के सह-अध्यक्ष हैं। वह न्यूयॉर्क एकेडमी ऑफ साइंसेज के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स में भी शामिल हैं। हाल ही में, उन्हें इंजीनियरिंग में उनके विशिष्ट योगदान के प्रति सम्मानस्वरूप, "भारत में सॉफ्टवेयर उद्योग की प्रकृति को बदलने और क्षमताओं को आगे बढ़ाने के लिए," औपचारिक रूप से यूनाइटेड स्टेट्स नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग (NAE) का अंतरराष्ट्रीय सदस्य चुना गया है।

5. श्री चन्द्रसेकरन को भारत और विदेश के प्रमुख विश्वविद्यालयों द्वारा मानद डॉक्टरेट की अनेक उपाधियों से सम्मानित किया गया है। इनमें मैक्वेरी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया से मानद डॉक्टर ऑफ लेटर्स, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से मानद डॉक्टर ऑफ साइंस, न्येनरोड बिजनेस यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड द्वारा मानद डॉक्टरेट और रीजनल इंजीनियरिंग कॉलेज, त्रिची से डॉक्टर ऑफ लेटर्स शामिल हैं।

6. श्री चन्द्रसेकरन को भारत और दुनिया भर में कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं। उन्हें 2021 में यूएस इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम द्वारा "ग्लोबल लीडरशिप अवार्ड"; कॉर्पोरेट एक्सीलेंस 2016 के लिए ईटी अवार्ड्स समारोह में "बिजनेस लीडर ऑफ द ईयर अवार्ड" और 2015 में बिजनेस टुडे के बेस्ट सीईओ (आईटी और आईटीई) से सम्मानित किया गया था। एम्स्टर्डम और भारत के बीच व्यापार और आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के उनके प्रयास का सम्मान करते हुए, उन्हें एम्स्टर्डम शहर का पदक "फ्रैंस बैनिनक कोक्यूसी" भी प्राप्त हुआ है।